RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 40 अंक 5 हल्द्वानी सम्वत् 2081 सोमवार 8 जुलाई 2024 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

हल्दू का बगीचा हल्द्वानी बना कंक्रीट का जंगल, गूल-नहरों पर कब्जा, खेतबाड़ी सिमट चुकी है

नमो भवन की तैयारी

बदलेगा नजारा। तहसील, उपकोषागार, रोडवेज स्टेशन शिफ्ट होंगे

कार्यालय प्रतिनिधि

बदलाव प्रकृति का नियम है लेकिन अपने आप से उजाड़ और बनाने का क्रम मानव सभ्यता ने जब से शुरू किया होगा वह चारों ओर जारी है। शहरों का बनना और फिर उस सभ्यता का स्थान दूसरी सभ्यता ने लेना तो इतिहास में पढ़ने को मिलता है परन्तु तेजी से बदल रही दुनिया में थोड़े से अन्तराल में तेजी से चीजें बदलने लगी हैं। ऐसा ही उदाहरण है उत्तराखण्ड का महानगर हल्द्वानी।

कभी हल्दू के बाग के रूप में रही जगह की वजह से इसका नाम 'हल्द्वानी' पड़ा होगा। मोटा हल्दू, हल्दूचौड़, काठगोदाम जैसे नामों से सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि घनघोर जंगल के बीच शहर का उदय हुआ। पहाड़ से उतर कर कुछ लोगों ने भाबर को अपना आशियाना बनाया। मैदान से भी रोजी-रोटी के लिये लोग इधर आने लगे। सुविधाओं के लिये बाजार, स्कूल, दवाखाना सब कुछ तैयार हो गये। अंग्रेजों के जमाने में गूल, नहर, सड़क बनीं। आजादी के बाद विकास का यह क्रम जारी रहा और हल्द्वानी एक मण्डी के रूप में विकसित हो गया। इसके आस-पास गाँव खेतीबाड़ी के लिये सुविधा जुटाने लगे। शहर में तक कई बगीचे थे और सिंचाई के लिये खुली नहरों व गूलों में कलकल करता पानी। बड़े दिल वाले व्यापारियों ने राहगीरों के लिये प्याऊ लगाये थे और दानवीरों ने ठहरने के लिये धर्मशालाएं बनवाईं। इसके बाद भरे पूरे शहर को ऐसी नज़र कि चारों ओर से यह सबकी शरणस्थली बनता चला गया। पिछले 25 वर्षों के भीतर हल्द्वानी शहर में जमीनों की लूटपाट व धन्धेबाजी भरपूर हुई। इसमें पेड़ कट गये, नहर-गूलों पर कब्जे हो गये, खेती बाड़ी का काम सिमट गया। जनसंख्या दबाव इतना ज्यादा हो गया है कि पेयजल संकट होने लगा है। जनसंख्या की बढ़त और समय को देखते हुए नगर पालिका से नगर निगम के दायरे में फैल चुके हल्द्वानी को नजदीक से देखने वाले आश्चर्य कर रहे हैं कि जिस शहर में सुलझे लोगों की बैठकें हुआ करती थीं, वहाँ उलझे लोगों का दबदबा चल रहा है। सड़कें जाम से भरी हैं, अपराध बढ़ते जा रहे हैं, विकास के नाम पर वह सबकुछ हो रहा है जो नई पीढ़ी को धोखे में रखने वाला है। जिस शहर में घोर विरोधी भी साथ बैठकर राजनीति का पाठ पढ़ लेते थे, उसी शहर में एक-दूसरे को देख लेने की धमकी दी जा रही हैं। इसकी सामाजिक बनावट उलझन भरी है और राजनीतिक चालें बेहिसाब। फिलहाल हल्द्वानी उत्तराखण्ड के बड़े शहरों में गिना जाता है और यहाँ होने वाले कारनामों और घटनाओं

शेष पृष्ठ 2 पर

हल्द्वानी के बीचों-बीच प्राचीन तहसील भवन। इसी से लगा है उपकोषागार, रजिस्ट्रार कार्यालय, रोडवेज बस स्टेशन, पुस्तकालय, पुराना तारघर

वर्षों पुराने पेड़ों पर निशान से आक्रोश

दीपक बल्यूटिया के नेतृत्व में सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा

हल्द्वानी। काठगोदाम क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण के लिए सड़क किनारे स्थित वर्षों पुराने पेड़ों पर लाल निशान लगाने से नाराज लोगों ने कांग्रेस नेता दीपक बल्यूटिया के नेतृत्व में सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने सड़क चौड़ीकरण के नाम पर विशालकाय पेड़ों को काटने और भारी भरकम पेड़ों को दूसरे स्थान पर प्रत्यारोपित करने के फैसले को गलत बताया है। पेड़ों को बचाने की मांग को लेकर कांग्रेसजनों की टीम भी इसमें जुटी।

ज्ञापन सौंपते हुए उन्होंने कहा कि सड़क किनारे स्थित वर्षों पुराने विभिन्न प्रजातियों के पेड़ों को काटने से प्राकृतिक और पारिस्थितक सन्तुलन बिगड़ेगा। इसका असर जनजीवन पर पड़ेगा। श्री बल्यूटिया ने कहा कि काठगोम में रेलवे स्टेशन और नारीमन चौराहा में ट्रैफिक जाम की स्थिति रहती है लेकिन समस्या के हल के लिये जनता के सुझाव लेने चाहिये थे। ऐसा नहीं किया गया। पाखड़, नीम, सेमल, हल्दू के जिन विसालकाय पेड़ों को शिफ्ट करने की बात कही जा रही है वह पूरी तरह अव्यवहारिक है। कहा कि काठगोदाम की मिट्टी पथरीली है जिसमें पेड़ों की जड़ें फैली हुई होंगी। इस कारण विशालकाय पेड़ों को जड़ समेत सुरक्षित रूप से दूसरे स्थान पर ले जाकर लगाना सम्भव नहीं होगा। उन्होंने कहा कि प्रशासन स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल एवं विद्युत आपूर्ति जैसे ज्वलन्त मुद्दों पर उदासीन है लेकिन आंशिक सड़क चौड़ीकरण के लिए वर्षों पुराने पेड़ों को काटने पर तत्पर है। श्री बल्युटिया ने कहा कि जिस वजह से हल्द्वानी जाना जाता है उन यादों को बनाए रखना चाहिये वर्ना तो एक समय बाद पछतावा ही होगा।

त्रिभुवन सिंह पांगती
अपर महानिदेशक (सेवानिवृत)
सेन्ट्रल सर्विसेज, खान मंत्रलय (जीएसआई)
देहरादून

जोहार तक भूगर्भीय स्थित ठीक है लेकिन सतर्कता जरूरी

दिनांक 5 जून 2024से 10 जून तक मुनस्यारी से मिलम से मुनस्यारी की यात्रा की, यात्रा के दौरान विभिन्न क्षेत्रों की भूगर्भीय एवं भू-तकनीकी निरीक्षण के पश्चात निम्नलिखित प्रमुख कारणों एवं सम्बन्धित सुझावों पर उचित कार्रवाई सुनिश्चित कराने हेतु प्रेषित कर रहा हूँ-

1. दरकोट से लीलम तक रोड की भूगर्भीय स्थित ठीक है परन्तु पहले वाला रोड जो कि कुरीजिमी से ले जाना प्रस्तावित था वह क्षेत्र भूस्खलन से काफी प्रभावित है अत: भविष्य में रोड कुरीजिमी को डाइवर्ट न किया जाय।
2. लीलम से रड़गाडी तक टनल बनाने की सौ प्रतिशत सम्भावना थी ।

वर्तमान में रोड की भूगर्भीय स्थिति ठीक है परन्तु रोक स्लाइड कई स्थानो में देखा गया हें जिसका उपचार केवल रोकबोल्ट द्वारा ही सम्भव है।

3. रड़गाडी से वोगडियार तक रोड की भूगर्भीय हालात ठीक हैं परन्तु अधिकतर स्थान ग्लेशियर मोरेन से ढका हुआ हैं जिसमें लो मेग्नीचूड (low magnitude) के भूस्खलन देखे गए जिसके फलस्वरूप स्लाइड की सम्भावना होगी, जिसके लिए रिटेनिगं वॉल लगाए जाए एवं अधिक दबाव वाले क्षेत्र में चेनेलाईन्ड ड्रेन बनाए जाए।
4. वर्तमान रोड एलाइनमेन्ट को लास्पा की तरफ ले जाने की जरूरत नहीं थी।

वोगडियार से रिलकोट तक की भूगर्भीय स्थिति बहुत ठीक थी अगर इस एलांइनमेन्ट को लिया जाता तो दूरी में काफी कमी आ सकती थी तथा खतरनाक बैन्डों से बचा जा सकता था।

5. रिलकोट से मर्तोली तक रोड की भूगर्भीय स्थिति ठीक है परन्तु कहीं-कहीं पर रिटेनिगं वॉल एंव समस्त रोड एरिया में उपयुक्त ड्रेनेज को बनाने की आवश्यकता हें।
6. मर्तोली से मिलम की रोड की भूगर्भीय स्थिति बहुत अच्छी है क्योंकि रोड कटिगं मुख्यत: ग्लेशियर मोरेन पर ही स्थित है। केवल रिटेनिगं वॉल, जियोजूट एंव उपयुक्त ड्रेनेज का प्राविधान रखने की आवश्यकता है।

अतिरिक्त दबाव वाले स्लोप को रोकने हेतु बिल्ल के पौंधे लगाए जाएं जिससे काफी हद तक भूस्खलन रोका जा सकता है। कही क्षेत्रों में प्रत्यक्ष रूप में देखा गया है।

7. गाँवों की भूगर्भीय स्थित- टोला, लीलम, लास्पा, रिलकोट, मर्तोली की भूगर्भीय स्थिति बहुत ठीक है परन्तु मर्तोली गाँव के पैदल मार्ग पर स्थित नालों में भूस्खलन होने की सम्भावना काफी हैं जो कि एक नाले में प्रत्यक्ष रूप में देखा जा सकता है। अत: नालों को अन्यत्र डाइवर्ट किया जाय जिससे भूस्खलन काफी हद तक रोका जा सकता है।
8. मापा, गनधर, पांछू, बुर्फू गाँवों की भूगभह्य स्थित काफी ठीक हें एवं फिलहाल काफी सुरक्षित हैं परन्तु बिल्जू गाँव

शेष पृष्ठ 2 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

मानसून में सुरक्षित रहें

मौसम बरसात का है तो तरावट के अलावा कई जगह आफत भी होने लगी हे। बरसात के इस मौसम में यात्राएं बहुत संभल कर करनी होती हैं और उन स्थानों पर अतिरिक्त सुरक्षा की आवश्यकता होती है जो नदी तट से लगे हैं, पर्वतीय मार्गों पर जिन स्थानों पर भूस्खलन का खतरा है, जिन स्थानों पर भू धंसाव हो रहा है।

अक्सर होता यह है कि जिस जगह हम रहते हैं वहाँ का मोह और परिस्थितियां इस प्रकार हो जाती हैं कि निर्माण कार्य में बढ़त होने लगती है। निर्माण कार्य के दौरान ही यह जाँच लेना चाहिये कि यह स्थान हर तरह से सुरक्षित है, मकान या दुकान किसी नाली-नाले-कलमठ के ऊपर तो नहीं बना है, जिस जगह से बाढ़ का खतरा है उस जगह को अवरुद्ध तो नहीं किया गया है, जिस स्थान से बार-बार मलबा गिर रहा है वहाँ पर तो मकान नहीं है। पर्वतीय मार्गों पर विशेष सतर्कता बरसात के दिनों में चाहिये क्योंकि जिस प्रकार से जंगल कटे हैं और रोड कटिंग का कार्य हुआ है, विकास के नाम पर खुदान हुआ है, कारोबार के लिये पहाड़ काटे गये हैं वह धोखा देने वाले हैं। इस प्रकार के धोखे में जब भी हादसा होता है सरकार को कोसा जाता है और प्रशासन पर भी गुस्सा किया जाता है। जबकि हादसे की जड़ को समझना चाहिये।

प्रकृति के साथ तालमेल और सुरक्षा के लिये सबको सजग रहना जरूरी है। प्रकृति के साथ इस प्रकार की छेड़छाड़ न की जाए कि वह हादसों का कारण बने। मानसून के इन दिनों में सब सुरक्षित हों इसलिये सतर्क रहें।

टनकपुर-घाट के बीच सायं ६ से सुबह ६ बजे तक प्रतिबन्धित रहेगा यातायात

चम्पावत। मानसूनकाल के दौरान सुरक्षा व मानव क्षति की रोकथाम के दृष्टिगत राष्ट्रीय राजमार्ग 09 (125) पर चम्पावत से घाट तक सायं 6 बजे से प्रात: 6 बजे तक कोतवाली चम्पावत से टनकपुर की ओर सांय 7 बजे से प्रात: 6 बजे तक एंव ककराली गेट से चम्पावत तक सायं 6 बजे से प्रात: 6 बजे तक यातायात पूर्ण प्रतिबन्धित रहेगा। मानसून काल के दौरान त्वरित राहत एवं बचाव कार्यो को देखते हुए एनएच के भारतोली एवं सूखीढांग विश्राम गृज में आगामी 15 सितम्बर तक अस्थाई पुलिस चौकी बनाई गई है। यह निर्णय डीएम की अध्यक्षता वाली बैठक में हुए।

काभड़भ्योल के पास खतरा बना

बागेश्वर। बागेश्वर-कपकोट मोटर मार्ग स्थित काभड़भ्योल के पास वर्षों से पहाड़ी से मलुवा गिरने से खतरा बना हुआ है। गत वर्ष यहाँ पर विशाल बोल्डर गिरने से मार्ग बाधित हुआ था। मलबा सरयू नदी में गिरा और मार्ग भी बन्द हुआ था। जिससे कपकोट, रीमा सहित मुनस्यारी, शामा सहित अन्य क्षेत्रों को जाने वाला मार्ग बन्द हो गया था। इस बार फिर से पहाड़ी दरक रही है। इस मार्ग पर दिनभर सैकड़ों वाहनों का आवागमन होता है, बरसात के इन दिनों में खतरा देखते हुए क्षेत्रवासियों ने सभी से सावधान रहने को कहा है। साथ ही कमजोर पहाड़ी में भूस्खलन रोकने के उपाय, चट्टान से बचाव के उपाय के लिये जिला प्रशासन व बीआरओ से मांग की है।

भराड़ी-कपकोट से आगे की सड़क पर सुरक्षा सम्बन्धी उपाय के लिये निरन्तर निगरानी की मांग भी की जा रही है ताकि सीमान्त क्षेत्र में किसी तरह की परेशानी न हो।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

कालापानी मुद्दे पर नहीं झुकेगा नेपाल : प्रचंड

काठमांडो। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचण्ड का कहना है कि नेपाल सिंपियाधुरा, कालापानी, लिपुलेख के मुद्दों पर भारत के सामने नहीं झुकेगा। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया है कि दोनों देशों के बीच ककई सन्धि यों और समझौतों में संशोधन को लेकर सहमति बनी है।

घोषणा पत्र शामिल किया भारत के साथ एफटीए

लन्दन। ब्रिटेन की विपक्षी लेकर पार्टी ने प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ कंजरवेटिव पार्टी पर आरोप लगाया है कि उन्होंने भारत के साथ्ज्ञ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) पर बड़ी-बड़ी बातें की लेकिन काम नहीं किया। लेवर पार्टी ने एफटीए को अपने घोषणा पत्र में शामिल किया।

काला जादू करने के आरोप में मंत्री गिरफ्तार

माले। मालदीप के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू पर काला जादू करने के आरोप में पर्यावरण राज्यमंत्री शमनाज अली सलीम और उनके पूर्व पति एडम रमीज को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें मंत्री पद से भी निलम्बित कर दिया गया।

फसक

दाज्यू, गाज गिराने का फितूर भी होने वाला ठैरा

बनने-बिगाड़ने वालों की चाह हमेशा से रही है बल

दाज्यू, आजकल किसी न किसी पर गाज गिराने का हल्ला मच ही रहा है। समाचार बनाने वाले भी इसे तराना समझ बैठे हैं कि फलां अधिकारी पर गाज गिरी। दाज्यू आप जानने ही वाले हुए कि गाज कब किसका निकलने लगे पता नहीं होता है। कहने-सुनने को गाज गिराने का फितूर होने वाला ठैरा। दुनिया में न जाने कितने समेट कर निपट चुके और कितने समेटने में लगे हैं। लप-झप की इस दुनिया में हायतौबा मची है। बनने-बिगाड़ने वालों की चाह हमेशा से रही है बल। शत्रुघन सिन्हा की लाड़ली सोनाक्षी ने जहीर इकबाल से शादी को अपनी खुशी बताया है लेकिन इस जोड़ी के पीछे फेसबुक में लक्ख्ड लेकर पीछे पड़ने वालों की भारी भीड़ जुटी है। दाज्यू, किसी को जोड़ी बनने की खुशी है किसी को दर्द उठ रहा है। दुनिया के घेरे में ऐसे अनगिनत मामले हैं। बबंडर की दुनिया तो अलग ही होती है। हल्द्वानी के बनभूलपुरा से दो नाबालिक बालिकाओं के फरार होने से बड़ा बाबल होने जा रहा था, वह तो पुलिस ने मुजफ्फरनगर रेलवे स्टेशन से बालिकाओं के साथ किशोर और उसके मददगारों को पकड़ लिया। दाज्यू, हम तो भगवान से प्रार्थना कर रहे हैं कि इस प्रकार के लफन्दरों से दुनिया को बचाए रखा। पता नहीं कौन सटक ले, कौन फटक ले, कौन चटल ले? मौके की तलाश में रहने वाले धुंआ निकालने को तैयार बैठे हैं। ज्यादा ही बबाल मचा तो गाज गिरने का समाचार सुनाई देता है।

दाज्यू, दुनिया में चकल्लसबाजी भी बहुत होने लगी है। हल्द्वानी के पार्कों में पुलिस ने छापेमारी करते हुए शरब पी रहे युवक-युवतियों को पकड़ा। देहरादून के कैंट क्षेत्र में एक युवक कई सालों से युवती को झांसा देता रहा और सगाई भी कर ली। जब शादी को कहा गया तो उसने कहा दिया- 'देवता मना कर रहा हैं।' दाज्यू, समझ नहीं आ रहा है देवता ने चपड़-चपड़ करते क्यों नहीं रोका? फिलहाल मामला पुलिस जाँच रही है।

हरिद्वार के बहादराबाद में एक नाबालिक के साथ गैंगरेप व हत्या मामले में भाजपा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, ओबीसी मोर्चा आदित्य राज सैनी का नाम आने से पार्टी ने उसे प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया। दाज्यू, से पार्टी से जुड़े नेताओं के नाम पहले से भी आते रहे हैं बल। श्रीनगर गढ़वाल के बेस अस्पताल में फर्जी डाक्टर बनकर आए युवक ने बाल रोग विभाग में भर्ती 12 वर्षीय बालिका से छेड़छाड़ करनी शुरू कर दी, वह तो बालिका की सूझबूझ थी वह बाथरूम से वार्ड की ओर भाग आई। पुलिस ने सीसीटीबी खंगालते हुए युवक को पकड़ लिया। आखिर कितनी जगह पकड़ की जाए। बनने वाले कम, बिगाड़ने वाले ज्यादा हैं। काशीपुर आवास विकास के होटल में रैकेट धन्धा भी पकड़ा गया है। मन बहलाने के लिये खचर-बचर बहुत हो रही है। खुचरांग निकालने वाले भी घूम रहे हैं। रुद्रपुर में एक इंस्पेक्टर का ऑडियो वायरल हो गया, जो युवती को फोन कर मनमर्जी करना चाहता था बल। पता नहीं समुद्र मंथन के बाद यह कैसा मंथन होने लगा है जो विषपान करने वाले अमृत मान रहे हैं।

दाज्यू, हपड़-तपड़ के दौर में सबकुछ धकियाया जा रहा है। श्रीदेव सुमन विवि में उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में हुई गड़बड़ी पर उच्चशिक्षा मंत्री ने कहा है- 'गलत मूल्यांकन करने वाले शिक्षक दस साल के लिये बाहर होंगे।' दाज्यू, मंत्री जी तो अब कह रहे हैं, मूल्यांकन तो वर्षों से ऐसे ही धकियाया जा रहा था बल। विश्वविद्यालयों में काम समेटने के लिये मूल्यांकन हेतु टिड्डी दल तैनात हो जाने वाला ठैरा। कापी जाँचना भी महायज्ञ ही हुआ। किसके नम्बर, किसको नम्बर, कैसे नम्बर? कौन पूछ रहा है। सब भाग्यविधाता ठैरा। किसका निशाना ठीक लग जाए कोई पता नहीं। कालेज के सँविदा शिक्षक शिकायत का निशाना लगाने सीएम कार्यालय चले गये बल।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

जोहार तक भूगर्भीय...

प्रथम पृष्ठ का शेष

की भू-तकनीकी स्थित उतनी अच्छी नही है क्योकि बिल्जूगाड़ ने बायें तरफ से काटना शुरु हो गया हें जो कि इस गाँव के लिए खतरा हो सकता हैं अत: नालें में फ्लड सुरक्षा वॉल लगाने की आवश्यकता हें।

9. मिलम गाँव की भूगर्भीय हालात बहुत ठीक हें क्योंकि नदी से काफी ऊँचाई पर स्थित है एवं तीसरी लेवल वाईड टेरेस पर स्थित हैं। केवल मन्दिर वाला क्षेत्र सुरक्षित नहीं है क्योंकि मन्दिर के ऊपरी क्षेत्र से भूस्खलन शुरू हो चुका है।

इसका ऊपयुक्त ऊपचार सम्भव नहीं है केवल भूस्खलन द्वारा बनी गली को ही निचले स्तर से चेनेलाइज्ड करने की जरूरत हें जिससे मन्दिर को नुकसान होने से बचाया जा सकता है।

10. रिलकोट के काफी आगे, जहाँ पर नदी समतल है, बैराज एवं बिजली उत्पादन हेतु भू-तकनीकी दृष्टि से काफी उपयुक्त है।

हल्दू का बगीचा हल्द्वानी बना.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

के कारण इसकी चर्चा देश-दुनिया में होने लगी है। शासन और प्रशासन स्तर पर शहर को संभालने के लिये नई योजनाओं को लागू किया जाना है ताकि शहर का मुंह तो दिखाई दे।

इसके लिये अतिक्रमण हटाने से लेकर बहुत कुछ होना है। सड़क चौड़ीकरण, फ्लाईओवर, चौराहों का फैलाव व बहुउद्देशीय भवन इत्यादि। इसी क्रम में जिला प्रशासन की ओर से शहर में प्रस्तावित नमो भवन की कवायत तेज हो चुकी है। इसके लिये शहर के बीचोंबीच तहसील, उप कोषागार और रोडवेज को शिफ्ट करने के लिये कार्यदायी संस्था के अधिकारियों ने अलग-अलग स्थानों का निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के बाद पूरी रिपोर्ट जिला प्रशासन के पास होगी और सरकारी कार्यालय शिफ्ट होने की प्रक्रिया भी तेज होगी ताकि तय कार्य को गति मिले। उपजिलाधिकारी पारितोष वर्मा के नेतृत्व में टीम ने सरस काम्प्लेक्स का निरीक्षण किया जहाँ उपकोषागार व पेंशन कार्यालय शिफ्ट किया जाना है। इसके अलावा पार्किंग, सुरक्षा इत्यादि पर भी चर्चा हुई। टीम ने ट्रान्सपोर्ट नगर में अस्थायी बस अड्डे के लिये भ्रमण किया। इसी प्रकार तहसील कार्यालय शिफ्ट के लिये बरेली रोड स्थित शिल्पी हाट का निरीक्षण किया।

आने वाले समय में हल्द्वानी पूरी तरह बदल जायेगा। फैलते जा रहे इस शहर ने आस-पास के गाँवों को भी अपने में समेट लिया है और ग्राम संस्कृति से दूर यह ऐसा शहर हो चुका है जहाँ किसी को किसी से मतलब नहीं होगा। पहले भी इस भाबर को 'भभरयोव' (उसी में भटक जाना) के रूप में जाना जाता था। समय के साथ बदलते शहर का इतिहास जानना है तो पढ़ें- 'हल्द्वानी : स्मृतियों के झरोखे से' लेखक- आनन्द बल्लभ उप्रेती। प्रकाशक- पिघलता हिमालय हल्द्वानी।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

संस्कृति

कलेजी का फऽल, कलेजी की याद

जगदीश बृजवाल

कलेजी (यकृत) सभी प्राणियों में पाये जाने वाला महत्वपूर्ण ग्रंथि है। कलेजी हमारे हृदय , दिमाग, साहस को बढ़ाने में महत्वपूर्ण कार्य करती है।

उत्तराखण्ड के कुमाऊँ, गढ़वाल, तथा जोहारी समाज, समुदाय में भी पुरातन काल से कलेजी(यकृत)से सम्बन्धित कई किस्से, कहानियां, चुटकले, कहावत, मुहावरे, लोकगीत-संगीत में भी कलेजी की महिमा-मण्डन अवश्य होती है। जैसे- कलजोक टुकौर (प्रिय होना), कलेजी खा्नी (दर्द देना) कलेजी का फऽल (कलेजी का आकार, बनावट, उभरी रेखाएं/नशे देखकर ज्योतिषाचार्य द्वारा भविष्यवाणी किया जाना) आदि भविष्यवाणीयां। ज्योतिषाचार्य अक्सर गाँव घरों में मिल जाते हैं।

सदियों से आज तक कुमाऊँ, गढ़वाल, जोहारी समाज में भी अपने देबी-देवताओं का पूजा-पाठ करने की अपनी-अपनी विधि-विधान है सात्विक पूजा के अतिरिक्त बली प्रथा का भी रीति रिवाज प्रचलित है। जिससे लोगों की अटूट आस्था, विश्वास बनी ही है। जब बकरे की बलि दी जाती है भोजन में मांस परोसा जाता है। बकरे के मांस को जब कांट-छांट किया है तब कच्चे कलेजी (यकृत) बाहर निकालने के पश्चात फऽल (भविष्य) जानने हेतु ज्योतिषाचार्य के हाथ में दे दिया जाता है। ज्योतिषाचार्य कलेजी को उलट-पुलट कर देखता है तथा भूत, वर्तमान, भविष्य के विषय में बताता है सामुहिक तथा व्यक्तिगत पूजा की भविष्यवाणी अलग-अलग होती है। जिसको लोग ध्यान पूर्वक सुनकर चिन्तन-मनन करने भी लगते हैं।

अतीत तथा लेखक के गाँव में कलेजी ज्योतिषाचार्य हरक राम जी तथा महेन्द्र राम जी जो कुछ तंत्र मंत्र विद्या जानते थे। हरक राम जी का सांप के जहर को निष्प्रभाव कर देना, छल-छितर भूतप्रेत के प्रभाव को हटाना, कुत्ते के काटने पर जहर का प्रभाव मंत्र से निष्प्रयोज्य हो जाना, सांप को मंत्र विद्या से पकड़ना, जानकारी(महेन्द्र राम घटेलिया) देबी-देवताओं तक पहुँचने का माध्यम अवतरण हेतु देव स्तुति जागरण गीत के विशेषज्ञ थे, जो कलेजी ज्योतिषाचार्य का भी कार्य बेखुदी करते थे।

अनवाल (भेड़-बकरी पालक) भवान सिंह के पास लगभग एक, डेढ़ सौ भेंड़ बकरीया था. बफादार अविवाहित अधेर उम्र का बफादार नौकर मालिक -नौकर का बर्षो का अटूट दोस्ताना सम्बन्ध जो जोहार, भाबर, नेपाल तक का सफर करते थे। परिवार घर पर केवल पत्नी तिली देवी थीं। उनका एकमात्र सन्तान विवाहित पुत्री दूर कपकोट ब्लाक में निवास करती थी। भवान सिंह जी का व्यस्ततम जीवन भेड़-बकरियों के साथ ही चल रहा था।

भवान सिंह व नौकर भाबर के जंगलों में शीतकाल में भेड़ बकरी चुगाने के लिए पहुँच गये थे। कुछ महीने बाद अचानक भवान सिंह जी बीमार पड़ गए, नौकर अपने मालिक साथी का ठीक होने के इन्तजार में भेड़-बकरियों का भलीभांति देख रेख कर रहा था किन्तु मालिक की बीमारी ठीक नहीं होने के कारण दुखी, उदास रहने लगा। अन्य साथियों के साथ अपने मुनस्यारी गाँव क्षेत्र के घर भी पहुँच गया किन्तु बीमारी बढ़ती गयी वह दिन आ गया जब भवान सिंह दुनिया से चल बसे थे।

अब जायदाद का नया वारिस मोहन सिंह जंवाई हो गया था, जो पशुपालन का कुछ भी तजुर्बा नहीं जानता था। कुछ दिन नौकर ने सिखाने की कोशिश भी की पर नौकर नाराज होकर भेड़-बकरियों के तरफ देखते, मालिक का स्मरण कर चला गया। भेड़ बकरीयो ने नये मालिक को समझ ही न पाए। उन्हें एक जगह पर इतना ठहराव अच्छा नहीं लग रहा था। फिर छोटे बाघ भी बहुत परेशान कर रहे थे। दल में भगदड़ मचने लगी। बीच-बीच मृग रूप धारण कर भागते जा रहे थे।

एक दिन जंगल से आकर जब सभी बकरियां अपने घर के आंगन बाड़े में बैठे थे, अचानक भगदड़ से एक जवान बकरा (लक्खी) बाड़ा कूदकर तेजी से नदी किनारे जंगल की ओर भागने लगा। बकरे को काबू करने हेतु सभी लोग नया मालिक मोहन सिंह भी पीछे-पीछे जा रहे था किन्तु बकरे को काबू करना सम्भव नहीं हो पा रहा था। देर शाम तक सभी ग्रामीण गोरी नदी किनारे बकरे के पीछे भागते रहे बकरा हाथ न आया और अचानक गायब हो गया। गोधुलि का समय हो चुका था कुछ देर और कोशिश के बाद बकरा भी अचानक गायब हो गया। लोग अपने-अपने घर वापस लौट आए।

अगले सुबह धूप निकलने के पश्चात लोगों सुगबुगाहट सभी फिर लोभ-लालच या सहायता हेतु निकल पड़े, कन्धे में बन्दूक लटकाए महेन्द्र राम भी जा रहे थे, हम सब छोटे-बड़े बारह-चौदह साल के बच्चे भी उनके पीछे-पीछे हो लिए। जब सभी गोरी नदी के रास्ते से नीचे ऊपर बकरे को ढूंढ रहे थे, अचानक एक बच्चा ज़ोर से चिल्लाया- वो रहा बकरा, चट्टान के ओट पर दो टांग, पैर नीचे लटकाए आरम से बैठा है। महेन्द्र राम जी बोले, चुप रहो। कन्धे से बन्दूक निकालकर पहले से बारूद भरे बन्दूक से निशाना लगा रहा 50 मीटर की दूरी से निशाना, गोली चल गई, फटाक की आवाज आई, बकरा उछलकर सबके बीच से भाग निकलता, पकड़ो-पकड़ो की आवाज़ के साथ लोग रास्ते पर पीछे पीछे भागते रहते हैं। विपरीत दिशा से आते लोगों को देख बकरा नदी किनारे पहुँच गया लोग पीछे-पीछे लोग भी। बकरे ने नदी पार जाने के लिए नदी में छलांग लगा दी किन्तु ठण्डे पानी व तेज बहाव के कारण थोड़ी देर बाद बकरा मर चुका था। कुछ जवान लोगों ने नदी जाकर बकरे को खींच लाए। कन्धे में रखकर दो रस्ते के बीच एक समतल पत्थर पर मृत बकरे को रक्खा गया, सबका राय काट-फीट कर एक बड़ा हिस्सा मालिक के लिए रक्खा जाए, कुछ जवान लड़कों ने सबसे पहले खाल उतार दी। अब आंत निकालने के पश्चात, अन्दर से मुख्य भाग कलेजी (यकृत) निकालकर महेन्द्र राम जी के हाथ में रख देते हैं।

कलेजी को इधर-उधर पलट कर महेन्द्र राम जी बोले, अहो.. हो हो !(तभी तो भवान सिंह जी पर इतना संकट आ रहा था। अदीन अभी भी (संकट) घनघोर है, परिवार पर फऽल अभी भी बता रहा है। सभी ध्यान पूर्वक सुन रहे थे, तभी उधर से नमक मिर्च पिसकर लाने वाला व्यक्ति आ गया। जल्दी-जल्दी कलेजी के छोटे-छोटे टुकड़े कर सभी में वितरित किया गया। सुबह से बिना नाश्ता किये घुम रहे थे। दो, तीन टुकड़े कच्ची कलेजी के टुकड़े खाने के बाद शायद सबको ऐसा स्वाद, आन्नद आ गया था जैसे हमने बहुत कुछ खा लिया।

जो लोग वहाँ उपस्थित थे उनके हिस्से में थोड़ा सा तीन, चार सौ ग्राम मांस आया, गोया (जंगली अरबी) के पत्ते में लपेटकर सभी घर वापस आ गए।

एक बड़ा हिस्सा भेड़ बकरियों के मालिकिन तिली देबी के पास किसी के द्वारा पहुँच दिया गया तो भगवान सिंह की पत्नी अपनी हो रहे दुर्दशा पर रोने-बिलखने लगी। लेखक को उनके दर्द की याद, कलेजी के फऽल की याद, कलेजी के ज्योतिषाचार्य की भविष्यवाणी, एक अलग सी संस्थ्रति का भी अतीत से अवश्य जुड़ाव दिखाई देने लगा था। जिससे भी लोगों का अटूट विश्वास, अपार श्रद्धा भी था। वाह! कलेजी का फऽल।

के कूण नि आय

आमा! के करनौ छा
के नै नाती!
के करनूं आब
बस कावाक दिन पुर्यूनयूं
किलै आमा !
तस किलै कुनौछा
नाती!
के कूं पै
एक च्यहड़ छी
त देश कैं चड़ै हालौ
ब्वारि नानतिना ल्हि बेर
आपण मैत न्हैगे
के करूं पै
म्यर लै बखत निरभि जालौ
अच्छा
किलै आमा !
के करछी पै यां
मि बुड़ी दगै
असज चितूनैछी मि दगै
मि अभागि दगै को रूं कूंछै
नै च्यल रौय
नै अपण स स्यांति बुड़ै रौय
ब्वारि नाति नातिण
के करछी मि दगै
होइ आमा !
कधैं के कईं पै
होइ नाती ! तसै भय
य बुड़ी काव
च्यल नि रौय
बुड़ त मील लाग सांसै तापि हाल
आमा क आंखों में द्यो कि जै पंधार देखि
मि सोच में पड़ि गो य
आम दगै यस के है गो य
बिधाता कि य कसि माय
आब के कूं
मिकैं के कूण नि आय।

-रतनसिंह किरमोलिया
अणां-गरुड़(बागेश्वर)

ज्योतिष की बातें - 185

12 जुलाई 2024 को मंगल समराशि वृषभ में प्रवेश करेगा। मंगल शनि की तीसरी दृष्टि से मुक्त हो जाएगा और गुरु से युति बनेगी। इस कारण मंगल बलवान रहेगा और उग्रता में कमी भी रहेगी। मंगल स्वास्थ्य, धैर्य, कर्मठता, साहस, पुरुषार्थ, कर्तव्य परायणता, नेतृत्व क्षमता, दृढ़ निश्चय, युद्ध एवं खेलकूद, शत्रु पर विजय, भूमि-भवन-वाहन का लाभ, यश एवं कीर्ति, मशीनरी इंजीनियरिंग एवं विद्युत का कारक होता है। फलदीपिका के अनुसार मंगल त्रिषडाय भावों में शुभफल प्रदान करता है। साथ ही कर्क एवं सिंह राशियों के लिए मंगल योगकारक होता है। अतः अगले 44 दिन मंगल मीन, धनु, सिंह व कर्क राशि के जातकों को अत्यन्त शुभ फल प्रदान करेगा। शेष जातकों को अभी प्रतीक्षा करनी चाहिए।

यहाँ पर गोचर फल केवल मंगल के गोचर के अनुसार वर्णित किया गया है। अन्य ग्रहों के गोचर का विचार नहीं किया गया है। व्यक्ति विशेष के लिये सूक्ष्म विश्लेषण उसकी जन्मकुण्डली, महादशा आदि पर निर्भर करता है।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 76

सवर्ण विरोधी प्रवृत्ति

आजकल किसी भी राजनीतिक दल में राजनीतिक पद पर अथवा संवैधानिक पद पर किसी व्यक्ति का चयन करना हो तो गैरसवर्ण व्यक्ति ढूँढ़ा जाता है। पार्टी का अध्यक्ष चुनना हो, नेता विपक्ष चुनना हो, लोकसभा अध्यक्ष चुनना हो, उपाध्यक्ष चुनना हो, चुनाव में प्रधानमन्त्री का चेहरा चुनना हो, राष्ट्रपति पद पर चयन करना हो तो सभी पार्टियाँ सवर्ण नेता से परहेज करती हैं। इसके लिए ओबीसी का कैंडिडेट ढूँढ़ती हैं। यदि अनुसूचित जाति का मिल जाए तो और अच्छा । अनुसूचित जनजाति अथवा तथाकथित आदिवासी मिल जाए तो और भी अधिक अच्छा। उसमें भी यदि कोई महिला उपलब्ध हो जाए तो सोने पर सुहागा। सभी राजनीतिक दलों की यह प्रवृत्ति है कि योग्यता की उपेक्षा करके जाति के आधार पर व्यक्ति ढूँढ़ती हैं। सबकी सोच यही रहती है कि तथाकथित दलित का कोई भी दल विरोध नहीं कर पाएगा। यदि विरोध करेगा तो उसको दलित विरोधी नाम की गाली दे दी जाएगी।

सभी राजनीतिक दलों में वर्तमान समय में यह बहुत खराब प्रवृत्ति देखी जा रही है। इससे सवर्ण और गैरसवर्ण में द्वेष का वातावरण बन रहा है। जैसी स्थिति स्वतन्त्रता प्राप्ति के पहले हिन्दू और मुसलमानों में नेताओं के द्वारा पैदा कर दी गई थी, वही स्थिति अब सवर्ण और गैरसवर्ण में कर दी गई है। यह देश के भविष्य के लिए अच्छा नहीं है। कम से कम सर्वोच्च पदों पर, संवैधानिक पदों पर व्यक्ति की क्षमता, योग्यता, विचारधारा आदि का विचार किया जाना चाहिए।

-सरल

हिमालयी माँ नन्दा देवी मन्दिर मर्तोली धार्मिक ट्रस्ट स्मारिका

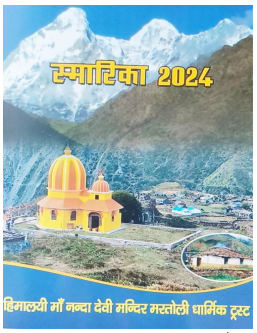

मर्तोली, जोहार में नन्दामाई का नव निर्मित मन्दिर उद्घाटन अवसर पर बनी स्मारिका-2024 मर्तोली के सन्दर्भ में एक दस्तावेज होगी। हिमालीय माँ नन्दा देवी मन्दिर मर्तोली धार्मिक ट्रस्ट द्वारा बनाई गई इस स्मारिका के सम्पादन मण्डल में चन्द्र सिंह मर्तोलिया, भूपाल सिंह मर्तोलिया, रघुनाथ सिंह मर्तोलिया, गंगा सिंह मर्तोलिया, सुरेन्द्र सिंह मर्तोलिया, गणेश सिंह मर्तोलिया हैं। स्मारिका में ट्रस्ट सम्बन्धी जानकारी व पदाधिकारियों की सूची सहित दानदाताओं की सूची तो है ही, माँ नन्दा को लेकर मर्तोली के सन्दर्भ में जानकारियां हैं। भक्ति स्वरूपा माँ नन्दा- गणेश सिंह मर्तोलिया, सफर नामा- चन्द्र सिंह मर्तोलिया, नन्दा राजजात यात्रा- प्रेम सिंह मर्तोलिया, हिमालयी माँ पुरमल सिंह मर्तोलिया, उग्रतारा नन्दा- सुरेन्द्र सिंह पांगती, युगान्तर- गजेन्द्र सिंह पांगती, कीड़ाजड़ी- डॉ.प्रहलाद मर्तोलिया, नन्दा बुलावा- हरीश सिंह धर्मशक्तू, भक्ति में शक्ति- मंगल सिंह मर्तोलिया, नन्दाष्टमी- सुरेन्द्र सिंह मर्तोलिया, जोहार के गीत- लक्ष्मणसिंह पांगती, मर्तोली की नन्दा- सुरेन्द्र सिंह मर्तोलिया, औष-धीय पौंधे- किशन सिंह मर्तोलिया, मुनस्यार-बोग्ड्यार-मिलम पैदल मार्ग- भूपाल सिंह मर्तोलिया, हिमालयी माँ- गोपाल सिंह मर्तोलिया, सहित राधा मर्तोलिया, ललित सिंह मर्तोलिया की कविताओं का संकलन इस स्मारिका में है। धार्मिक ट्रस्ट के अभिलेखों सहित चित्रावली दी गई है। स्मारिका जल्दबाजी में बनी है लेकिन समूह के काम को एकजुट करना प्रशंसनीय है। भविष्य में यह दस्तावेज के रूप में याद रहेगी।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

छोटाकैलास में अनुमति बिना कार्य नहीं होगा

भीमताल। ग्राम पंचायत हैड़ाखान में आदि कैलास समिति की बैठक में सर्वसम्मति से महिपाल सिंह सम्भल को अध्यक्ष मनोनीत किया गया। यह भी तय किया गया कि आदि कैलास समिति की अनुमति के बिना कोई भी विकास कार्य नहीं होंगे। बैठक में मन्दिर को धार्मिक स्थल के रूप में पहचान दिलाने पर चर्चा की गई।

नैनीताल सौन्दर्यीकरण से संतुष्ट नहीं

नैनीताल। नगर में सौन्दर्यीकरण के नाम पर प्रशासन की ओर से कराए जा रहे कार्यों से लोग सन्तुष्ट नहीं हैं। प्रशासन पर सौन्दर्यीरण के नाम पर पैसे की बर्बादी का आरोप लगाया जा रहा है। कंक्रीट और लोहे के जंजाल को नगर के सौन्दर्य का प्रतीक कहना गलत होगा। यदि यह सब जारी रहा तो आन्दोलन किया जायेगा।

अण्डरपास बनाने की मांग

हल्द्वानी। प्रान्तीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के पदाधिकारियों ने ईई से भेंट कर रानीबाग से भीमतला डायवर्जन में लगने वाले जाम की समस्या और उसके निराकरण के लिये मानचित्र के साथ ज्ञापन सौंपा। प्रदेश अध्यक्ष नवीन वर्मा के नेतृत्व में दिये गये ज्ञापन में वन विभाग की नर्सरी से निकालकर अण्डरपास बनाने की मांग की ताकि जाम से छुटकारा मिल सके।

डामरीकरण नहीं हो रहा है डोबालखेत में

गंगोलीहाट। तहसील भेगौरा-डोबालखेत खड़क में वर्षों से कच्ची सड़क पर डामरीकरण नहीं किया गया है। क्षेत्रवासियों की मांग के बाद विधायक फकीरराम टम्टा का कहना है कि गड्डे भरने के लिये जेसीबी भेजी जाएगी। सड़के लिये लोनिवि से पत्राचार किया जायेगा। बताते चलें कि पाँच हजार से अधिक आबादी वाले इस क्षेत्र में डामरीकरण न होने व सड़क में गड्डे होने से बरसात में बेहद दिक्कत होती है।

टिटोली गाँव का स्थापना दिवस

बागेश्वर। विगत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी मातृ भूमि रक्षा समिति द्वारा टिटोली गाँव, काण्डा का 131वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस गाँव से तीन भाईयों गुमान सिंह, हरक सिंह, धन सिंह ने द्वितीय विश्वयुद्ध की जंग लड़ी। इसी को याद करते हुए गाँव से कैप्टन हरक सिंह रौतेला (एमसी) जो कि भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ.राजेन्द्र प्रसाद के एडीसी रह चुके हैं। इसी गाँव के नायब सूबेदार धन सिंह रौतेला ने भारत-पाक युद्ध लड़ा, जिनको मरणोपरान्त वीरचक्र मिला। गाँव के युवाओं को गाँव के वीर लोगों की गाथा बताई गई। इस दौरान मेजर भूपाल सिंह रौतेला, कृपाल सिंह रौतेला, उम्मेद सिंह, सतीश रौतेला मौजूद थे।

चम्पावत में ३५० करोड़ की लागत से बनेगा गोलज्यू कॉरिडोर

चम्पावत। सीएम की घोषणाओं के तहत विभिन्न कार्यों को शामिल कर बृहद कार्य योजना तैयार की जा रही है। एडीबी सहायतित परियोजना के अन्तर्गत चम्पावत की तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं के निर्माण को लेकर सचिव राजस्व परिषद व चम्पावत के प्रभारी सचिव चन्द्रेश यादव ने नगर पालिका सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक कर योजनाओं की समीक्षा की।

प्रस्तावित परियोजना के सम्बन्ध में परियोजना प्रबन्धक अंकित आर्य ने बताया कि जिला मुख्यालय में वर्तमान में जल संचय क्षमता 1730 किलोलीटर से बढ़ाकर उसे दोगुना 3500 किलोलीटर किया जाएगा। बैठक में गौरलचौड़ क्षेत्र के विकास के लिए स्पोर्ट्स स्टेडियम का निर्माण, गोलज्यू कॉरिडोर का निर्माण, मल्टी स्टोरी पार्किंग, मनोरंजन/फनजोन, फूड जोन, होटल का निर्माण किया जायेगा। इस परियोजना की डीपीआर उत्तराखण्ड पेयजल निर्माण निगम के माध्यम से तैयार की जा रही है। गौरलचौड़ मैदान में 400 ट्रैक के स्टेडियम के के साथ ही बहुउद्देशीय हॉल, पार्किंग सुविधा, हॉकी फील्ड, बैडमिंटन हॉल के साथ ही कैफिटेरिया एरिया रखी गई है। परियोजना के अन्तर्गत गोलज्यू कोरिडौर भी बनाया जायेगा। परियोजना की प्रथम अनुमानित लागत लगभग 350 करोड़ है। तीसरी परियोजना के तहत चम्पावत मुख्यालय में स्थित बस अड्डे में बहुउद्देशीय बस टर्मिनल का निर्माण प्रस्तावित है।

मानसून की तरी, सैलानियों की वापसी

नैनीताल। मानसून के साथ ही पूरा उत्तराखण्ड बारिश से तर हो चुका है। मौसम के कारण सैलानियों की वापसी होने लगी है। पर्यटक नगरी नैनीताल से 70 फीसदी सैलानी वापसी कर चुके हैं। ग्रीष्मकाल में 5 लाख से ऊपर सैलानियों के नैनीताल पहुँचने का अनुमान है। इसके अलावा भीमताल, रामगढ़ में भी पर्यटक पहुँचे। इस समय जब पर्यटकों का लौटना जारी है होटल कारोबारियों ने छूट के साथ कमरे बुकिंग का ऑफर दिया है। जुलाई में नए शिक्षण सत्र की शुरुआत, अवकाश के बाद कार्यालयों का खुलना व पर्वतीय मार्गों में दिक्कत सहित कई कारण होते हैं जब लोग सुरक्षित स्थानों में जाना चाहते हैं। लगातार हो रही बरसात से सूख रही झील का जल स्तर आने वाले दिनों में बढ़ेगा।

रामनगर में साहित्यकार मठपाल की ८३वीं जयन्ती

रामनगर। कुमाउंनी के वरिष्ठ साहित्यकार स्व.मथुरादत्त मठपाल की 83वीं जयन्ती पर तीसरा 'मथुरादत्त मठपाल स्मृति पुरस्कार' साहित्यकार राजाराम विद्यार्थी को दिया गया। किशनपुर छोई निवासी राजाराम ने अपने संस्मरण सुनाते हुए कहा कि लोक साहित्य के लिये जितना कार्य मथुरादत्त जी ने किया वह हमारी बुनियाद है। वह निस्वार्थ रूप से समाज को उसकी दुदबोली से जोड़ते रहे।

दुदबोली संस्था के इस आयोजन में मुख्य अतिथि वरिष्ठ कथाकार और साहित्य अकादमी दिल्ली के पूर्व सचिव डॉ.हरिसुमन बिष्ट ने दुदबोली के साथ अपने लोक को व्यवहार में रचे-बसे होने की बात कही। प्रोफेसर जी.सी.पन्त, पत्रकार जगमोहन रौतेला, चारु तिवारी ने मथुरादत्त जी के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला। छोई की ग्राम प्रधान भगवती जोशी की अध्यक्षता में हुए समारोह में श्रीमती मठपाल, नवेन्दु मठपाल, रंगकर्मी उमेश चन्द्र बलूनी, साहित्यकार भुवन पपनै, एड.गिरीश करगेती, धर्मेन्द्र नेगी, विजय जमनाल, अमित लोहनी आदि मौजूद थे।

प्रशिक्षण के बाद ९०० स्वयंसेवक तैयार

देहरादून। आपदा विभाग ने मानसून सीजन में मदद के लिये 900 स्वयं सेवियों को नेहरू पर्वतारोहण संस्थान से प्रशिक्षण दिलाया है, जो आपदा के समय हेलीकाप्टर के साथ ड्रोन इस्तेमाल और जनसहभागिता बढ़ाने में सहयोग करेंगे। सचिव आपदा प्रबन्धन डॉ. रंजीत सिन्हा ने बताया कि आपदा के दौरान इनका प्रयोग किया जायेगा। बताया कि ड्रोन की जरूरत को देखते हुए आईटीडीए से सर्विस सेवा के रूप में ड्रोन लेने का निर्णय लिया गया है। क्योंकि यदि ड्रोन खरीदते हैं तो उसको खरीदने के खर्च के साथ ही ऑपरेटर का भी खर्च आता है। ऐसे में आपदा विभाग ने निर्णय लिया है कि जरूरत के समय ड्रोन प्रोवाइडर से किराए पर लेकर इस्तेमाल किया जाएगा। वर्तमान समय में इसकी जरूरत भी बढ़ गई है। स्थानीय स्तर पर लोग किसी भी घटना के दौरान तत्काल कार्य कर सकते हैं।

१६ अगस्त को होगा देवीधुरा मेला

चम्पावत। माँ बाराही धाम देवीधुरा में इस वर्ष 16 अगस्त से प्रारम्भ होगा विश्व प्रसिद्ध बग्वाल मेला। बाराही प्रांगण में मन्दिर कमेटी के अध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट की अध्यक्षता एवं पीठाचार्य कीर्ति शास्त्री एवं विक्रम कठायत के संचालन में चार खाम सात थोकों के प्रतिनिधियों, व्यापारियों की उपस्थिति में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में तय हुआ कि इस बार मेला 16 अगस्त से प्रारम्भ होगा और मुख्य पर्व बग्वाल 19 अगस्त रक्षाबन्धन पर खेली जाएगी।

बैठक में यह भी तय किया गया कि मेले के दौरान राजनैतिक गतिविधियों को स्थान नहीं दिया जायेगा। साथ ही मेला परिसर में पूर्व की भाँति सीसीटीवी कैमरे, पूर्ण सुरक्षा व्यवस्था करने के साथ ही पूर्व आयोजित कार्यक्रमों को यथावत रखने की बात की गयी।

बताते चलें कि देवीधुरा में माँ बाराही दरबार को भव्य स्वरूप देने का संकल्प भी श्रद्धालु ले चुके हैं और आने वाले समय में यहाँ नवरूप देखने को मिलेगा। पर्यटन की दृष्टि से भी यह उजागर होगा।

राहत व बचाव में जुटेंगे आपदा मित्र

हल्द्वानी। आपदा प्रबन्धन अधिकारी शैलेश कुमार ने बताया कि तहसील स्तर पर 45 बाढ़ चौकियां स्थापित की गयी हैं और नैनीताल में आपदा प्रबन्धन विभाग में मुख्य कंट्रोल रूम बनाया गया है। ग्रामसभा स्तर पर 202 स्वयंसेवी युवाओं को राहत और बचाव का प्रशिक्षण दिया गया है। यदि किसी प्रकार की आपदा आती है तो इनकी मदद ली जाएगी।

आन्दोलनकारियों का सचिवालय कूच

देहरादून। चिन्हीकरण की प्रक्रिया पूरी करने, एक समान पेंशन, पट्टा, पेंशन वृद्धि समेत विभिन्न मांगों को लेकर राज्य आन्दोलनकारी संयुक्त परिषद की ओर से सचिवालय कूच किया गया। इस दौरान सुभाष रोड पर कनक चौक से सचिवालय को बढ़ते हुए पुलिस के साथ इनकी झड़प हुई। आन्दोलनकारियों ने कहा कि राज्य बनने के इतने वर्षों बाद भी वह लोग बंचित हैं। सरकार लिये गये निर्णय पर अडिग नहीं है।

परिक्रमा

ड्रेनिंग की निविदा कोर्ट की अवमानना

हरिद्वार। मातृसदन ने जिला प्रशासन की ओर से चण्डी पुल के नीचे गंगा ड्रेनिंग की निविदा निकालने को अवैध माना है। साथ ही इसे कोर्ट के आदेश की अवमानना बताया है। प्रेस वार्ता करते हुए मातृसदन के स्वामी शिवानन्द ने चेतावनी दी है कि यदि निविदा अधि सूचना रद्द नहीं की गई तो वह अनशन शुरू कर देंगे।

देहरादून में बुल्डोजर एक्शन

देहरादून। अतिक्रमण हटाओ अभियान के क्रम में एमडीडीए ने गबर सिंह बस्ती में दो दर्जन से अधिक अवैध मकान ध्वस्त कर डाले। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में टीम ने लोगों के भारी विरोध के बीच तोड़फोड़ की। रिस्पना किनारे 2016 के बाद हुए निर्माण को हटाया जा रहा है। काठबंगला के बाद एमडीडीए ने वीर गबर सिंह बस्ती में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। कार्रवाई से बस्ती के लोग निराश हैं।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

मुनस्यारी बचाओ संघर्ष समिति बनी, तदर्थ कमेटी भूमि खरीद-फरोख्त पर रखेंगे नज़र

पि.हि.प्रतिनिधि

मुनस्यारी। चीन सीमा क्षेत्र में 'मुनस्यारी बचाओ संघर्ष समिति' की पहली बैठक आयोजित की गई। जिसमें 9 सदस्यीय कमेटी बनाई गई है। कमेटी समिति के लिए एसओपी तैयार करने के साथ-साथ समिति के विधिवत गठन से पूर्व 30 ग्राम पंचायत में समिति की इकाई गठित करेगी। क्षेत्र के विभिन्न मुद्दों पर बातचीत की गई। समस्याओं के समाधान के लिए आगे जन संघर्ष भी किया जाएगा। बैठक में चीन सीमा क्षेत्र की उपेक्षा पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया गया।

विकास खण्ड सभागार में आयोजित बैठक में मुनस्यारी बचाओ संघर्ष समिति बनाने के लिए जमा हुए विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी के साथ पंचायत प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने संघर्ष समिति की आवश्यकता जोर देते हुए कहा कि चीन बार्डर क्षेत्र की जबरदस्त उपेक्षा हो रही है। शिक्षा और स्वास्थ्य बदहाल स्थिति में पहुँच गया है। शासन और सरकार के द्वारा इस क्षेत्र की समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनता की ताकत तथा संघर्ष ही इस क्षेत्र की जनता को न्याय दिला सकती है।

उन्होंने कहा कि सीमान्त क्षेत्र में एसडीएम, तहसीलदार, खण्ड विकास अधिकारी, पशु चिकित्सक, शिक्षक, मानव डाक्टर के साथ साथ सरकारी विभाग में दर्जनों पद रिक्त है। बैठक में तय किया गया कि समिति को सशक्त बनाने के लिए ग्राम स्तर पर समिति का ढांचा गठित होना आवश्यक है। इसके लिए ग्राम प्रधान मनोज सिंह मर्तोलिया मल्ला घोरपट्टा, कृष्णा सिंह सयाना तल्ला घोरपट्टा, महेश रावत जैती, क्षेत्र पंचायत सदस्य ईश्वर सिंह कोरंगा, व्यापार संघ अध्यक्ष प्रमोद कुमार द्विवेदी, मल्ला जोहर विकास समिति के अध्यक्ष श्रीराम सिंह धर्मशक्तू, केदार सिंह मर्तोलिया, राजू पांगती को तदर्थ कमेटी का सदस्य बनाया गया है। कमेटी के संयोजक के रूप में जिला पंचायत जगत मर्तोलिया कार्य करेंगे। बैठक में तय किया गया है कि कमेटी द्वारा कार्य करने के लिए एक एसओपी का निर्माण किया जाएगा। इसी के साथ तहसील मुख्यालय के आसपास के 30 ग्राम पंचायतों में समिति की इकाइयां गठित की जाएगी। बैठक में तय किया गया है कि भविष्य में प्रस्तावित नगर पंचायत सहित मुनस्यारी के समस्त ग्राम पंचायतों में समिति की इकाइयां बनाई जाएगी। समिति मुनस्यारी के समस्त ग्राम पंचायतों का प्रतिनिधित्व करेगी। समिति के द्वारा विभिन्न मुद्दों पर जन जागरूकता के साथ-साथ जन संघर्ष भी किया जाएगा। इसके लिए भी प्रस्तावना तैयार की जाएगी। मुनस्यारी विकास खण्ड में लगातार बढ़ रहे भूमि खरीद फरोख्त के मामलों पर चिन्ता व्यक्त की गई। इस पर भी समिति अपना रूख स्पष्ट करेगी। इस अवसर पर समाजसेवी श्रीमती तारा पांगती, कर्नल मंगल सिंह सयाना, लोक बहादुर सिंह जंगपांगी, मनोहर सिंह टोलिया, केदार सिंह मर्तोलिया, प्रमोद द्विवेदी, ईश्वर सिंह कोरंगा ने अपने विचार व्यक्त किए। समिति की अगली बैठक 5 जुलाई को ग्राम पंचायत मल्ला घोरपट्टा के पंचायत घर में रखी गई है।

सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय का हाल

अब परिसरों में पढ़ा रहे प्राध्यापक कालेजों को लौटेंगे

अल्मोड़ा। विश्वविद्यालय बनने के बाद से ही अल्मोड़ा कैम्पस लगातार जूझ रहा है। नैनीताल विश्वविद्यालय का कैम्पस होने का सुख लेने वाले अल्मोड़ा कालेज को विश्वविद्यालय बनाने के बाद हड़बड़ाहट में पिथौरागढ़, बागेश्वर और फिर चम्पावत को इसका कैम्पस बना दिया गया। बिना तैयारी के जाल फैलाने का मतलब उलझना ही होता है। सबसे पहले पिथौरागढ़ और बागेश्वर को कैम्पस बनाया गया लेकिन वहाँ चल रहे कालेजों की कोई व्यवस्था नहीं की गई। डिग्री कालेजों से इच्छुक प्राध्यापकों से कैम्पस के लिये आवेदन मांगा और साक्षात्कार के बाद बुला लिया गया। दूसरी सूची के प्राध्यापकों को नहीं बुलाया गया। चर्चाएं होने लगी कि नया विश्वविद्यालय बना है नियुक्ति का मामला होना है.....। इस बीच सीएम के विधानसभा क्षेत्र चम्पावत कालेज को भी आनन-फानन में कैम्पस घोषित कर दिया गया। फिर चर्चा होने लगी कि कालेज से चयनित प्राध्यापकों को बुलाकर व्यवस्था संचालित की जाएगी लेकिन आज तक कुछ नहीं हुआ। दूसरी ओर पिथौरागढ़ में आये दिन छात्र नेताओं का प्रदर्शन देखने को मिल रहा है कि कैम्पस और कालेज का अन्तर स्पष्ट किया जाए, शिक्षण व्यवस्था दुरुस्त की जाए। इन हालातों में वहाँ व्यवस्था संचालन कर रहे प्राध्यापक जैसे-तैसे कार्य तो कर रहे हैं लेकिन भविष्य क्या है इस बात को लेकर वह धक-धक करते रहते हैं। इसी प्रकार बागेश्वर कैम्पस का हाल भी है, जो कालेज से विश्व-विद्यालय गये वह सोच-विचार में हैं। चम्पावत कैम्पस तो नाम मात्र का ही है।

इस बीच सूचना आई है कि सोबन सिंह जीना विवि में अस्थायी शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया पूरी हो गई है। विवि अपने कैम्पसों में प्राध्यापकों को तैनात कर देगा। ऐसे में परिसरों में अभी तक पढ़ा रहे राजकीय कालेजों के करीब 123 प्रवक्ताओं को महाविद्यालयों में वापसी का रास्ता साफ हो गया है। नव नियुक्त शिक्षकों को परिसर आवंटित होते ही सम्बन्धित प्राध्यापक उच्च शिक्षा विभाग में लौटेंगे। साथ ही निदेशालय स्तर से उन्हें प्रदेश के सरकारी डिग्री कालेजों में भेज दिया जायेगा।

कुलपति प्रो.सतपाल सिंह बिष्ट का भी कहना है कि विवि ने अस्थायी शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया पूरी कर ली है जिन्हें परिसर आवंटित कर दिये जाएंगे। महाविद्यालयों के करीब 123 शिक्षक विभाग में वापास भेजे जाएंगे। इधर निदेशालय ने भी तैयारी कर ली है कि कैम्पस से लौटने वाले शिक्षकों को प्रदेश के कालेजों में भेज दिया जायेगा। इसके लये कालेज चिन्हित कर लिये गए हैं।

विश्वविद्यालय और इसके कैम्पस की ईमानदार व्यवस्था होना अच्छी बात है लेकिन सवाल यह भी है कि आँखिर कालेजों से परिसर बुलाए शिक्षक बुलाने के साथ ही इतना क्यों झुलाया गया?

काजेलों में प्रवेश का हालचाल

समर्थ पोर्टल सुविधा के बाद भी संख्या घटी है, जगह-जगह प्रवेश-प्रदर्शन

उत्तराखण्ड उच्चशिक्षा को पटरी में लाने की कोशिशें अभी संक्रमण काल में हैं। विश्वविद्यालय जैसे-तैसे परीक्षाएं करवा पा रहे हैं और परीक्षाफल समय से आने के लिये और उनमें सुधार को लेकर आये दिन उलझन देखी जा रही है। ऐसे में कालेजों की जो छवि बनती जा रही है उस ओर शास-प्रशासन का ध्यान शायद नहीं है जिस कारण प्रवेश संख्या में कमी हुई है।

कहने को तो सारी प्रक्रिया आनलाइन हो चुकी है और एक समय में सभी कालेजों में एकसाथ की बात कही जा रही है लेकिन व्यवहार में यह सब करना आसान इसलिये नहीं है क्योंकि साधन और स्टाफ भी कम है। साथ ही शिक्षण के अलावा अन्य प्रकार के कार्य बढ़ते जा रहे हैं जिससे दिखावा ही ज्यादा होने लगा है। इस बार स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रदेशभर में 63276 छात्र छात्राओं ने समर्थ पोर्टल के माध्यम से आवेदन किया है। प्रदेश के 333 उच्च शिक्षा संस्थानों में इन आवेदनों के बाद तैयार मेरिट सूची से प्रवेश होने हैं। प्रवेश के लिये 20 जून तक का समय निर्धारित किया गया था। प्रवेश को देखते हुए जून में होने वाले ग्रीष्मावकाश को भी कम कर दिया गया और 21 जून से शिक्षक अवकाश पर गये। हालात यह हैं कि 20 जून तक भी प्रवेश के लिये तमाम सीटें खाली हैं। ऐसे में समर्थ पोर्टल में इसका समय बढ़ा दिया गया है।

चल रही प्रवेश प्रक्रिया को देखने के लिये आनलाइन बैठक भी शासन स्तर से करवाई गई ताकि स्थिति का पता चले। बताया गया है कि बैठक में प्राध्यापकों ने बताया कि दूरस्थ कालेजों में नेटवर्क दिक्कत को भी प्रवेश के लिये परेशानी का कारण बताया। साथ ही इस बार पिछली बार की तुलना में कम प्रवेश की बात कही। ऐसे में जुलाई में फिर से प्रवेश का अवसर मिलने जा रहा है। मजेदार बात यह भी है कि प्रवेश को लेकर जहाँ मेधाविवों का रुख बदला है और वह इन कालेजों से हटकर कुछ और करना चाहते हैं, वहीं प्रवेश से बंचित छात्र-छात्राओं को प्रवेश दिलाने को लेकर छात्र नेता प्रदर्शन कर रहे हैं।

छात्र संघ बनने तक चलती रहेगी राजनीति

छात्र संगठन और नेता सक्रिय हो चुके हैं

नया शिक्षा सत्र आते ही छात्र संगठन और नेता सक्रिय हो चुके हैं। छात्र संघ चुनाव के तैयारी कर रहे छात्र नेता इन दिनों प्रवेश और नवागन्तुक छात्र-छात्राओं से परिचय के लिये कुछ न कुछ ऐसा कर रहे हैं ताकि वह चर्चा में रहें। इसके लिये सबसे आसान उपाय प्रवेश से बंचित विद्यार्थियों की बात को लेकर सक्रिय रहना है। साथ ही परीक्षाफल मामले में छात्र नेता एकदम सतर्क हैं। क्योंकि देखा जा रहा है कि जिन सेमेस्टरों के परीक्षाफल नहीं आये हैं या किसी के परीक्षाफल में कोई त्रुटि हो गई तो यह बड़ा बहाना हो जाता है।

इस बार समर्थ पोर्टल से प्रवेश प्रक्रिया को अंजाम दिया गया है परन्तु छात्र नेता किसी न किसी बहाने सक्रिय रहने का इन्तजाम कर ही लेते हैं। कालेजों में सीट बढ़ाने, रिक्त पदों को भरने, विषय खोलने व अन्य बातों को लेकर धरना प्रदर्शन की भी तैयारी हो चुकी है। समर्थ पोर्टल से पंजीकरण कराने और फिर कालेजों प्रवेश लेने की प्रक्रिया में कमी होने से छात्र नेता यह भी चाह रहे हैं कि ऑफलाइन प्रवेश प्रक्रिया हो और मनपसन्द विषय मिल सकें। जबकि कालेजों में तय सीटों पर विषय अनुसार प्रवेश मिल सकते हैं। प्रवेश की जुगत में सायंकालीन कक्षाओं का हवाला भी दिया जा रहा है। अब देखना यह है कि छात्र नेताओं की जिद और शासन द्वारा तय व्यवस्था में से किसकी मानी जाती है। कहीं ऐसा तो नहीं कि सब ठेलना पड़े।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

घर से बाहर अपनों का साथ

होटल लक्ष्य इन

मदकोट

सम्पर्क 7351285555

नरेन्द्र सिंह रावत

न तेरा न मेरा Thats

APNA GHAR चौकोड़ी

HOTEL RESTRO BANQUET

मो.- 9458920379, 6396098804

YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING

Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)

पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

Hotel
Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

Hayat Paradise
Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

धमोत होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
www.mountainheights.in
मो. 9760007148

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल
भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी
(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)
गोदाम- जोहार एसोसिएट्स, बच्चीनगर- १, कमलुवागांजा, हल्द्वानी
मो.- 7409440813, 7500619761

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236 8958525979, 9411134775

MARTOLIA FURNITURE
A unit of Martolia Enterprises
Pilikothi, Haldwani
Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

Enjoy Beauty of
Himalaya at
MARTOLIA LODGE

Family Guest House-
Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From
Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

पिघलता हिमालय स्थापना के 47 वर्ष में प्रवेश पर हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

भूपाल सिंह मर्तोलिया
(गोपाल सदन)
लक्ष्मी बिहार
मल्ली बमोरी, हल्द्वानी

P. S. Brijwal
Deputy
Director
Deptt. of
Social Welfare
Govt. of
Uttarakhand

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल 9458961490, 9411770280, 9411301014,

editorpighaltahimalay@gmail.com

Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)